जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 341 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 2 जुलाई, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

अपने पौन घंटे के भाषण में राहुल गाँधी ने समां जरूर बांधा संसद में

राहुल ने ये संकेत भी दिये कि, ''लीडर ऑफ ऑपोज़िशन'' की भूमिका में पूरी तरह से आक्रामक तो रहेंगे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जुलाई। विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गाँधी ने अपने पहले भाषण में ही छक्का लगा दिया। भाषण के दौरान प्रधानमंत्री सहित पांच वरिष्ठ केन्द्रीय मंत्रियों ने उनका विरोध करने के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा।

आज राहुल गाँधी ''एंग्री यंग मैन'' के अपने नए अवतार में नज़र आए, जहाँ उन्होंने किसी को नहीं बख्शा, ना तो प्रधान मंत्री, ना ही उनकी सरकार और ना ही स्पीकर को, वो लगातार इन पर वार करते रहे।

राहुल गाँधी ने भाजपा समर्थक तथा भाजपा विरोधी ताकतों के बीच गहरी खाई पैदा करके एक नैरेटिव सैट कर दिया है जिसका अब भाजपा को अनुसरण करना ही होगा। राहुल गाँधी ने अपने मूल वोट बैंक, दलित, पिछड़ों किसानों, गरीबों और मजदूरों, छोटे और मध्यम दुकानदार और उद्यमियों, महिलाओं के अलावा मणिपुर, अग्निवीर, नोटबंदी, जी.एस.टी. के मुद्दे उठाए और कहा कि, कैसे इनका उपयोग अडानी व अंबानी जैसे बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया।

- पर, क्या वे इस भूमिका को आगे भी पूरी तरह चला पायेंगे, क्योंकि सरकार की ओर से पाँच वरिष्ठ मंत्री, जिनमें प्रधानमंत्री शामिल हैं, खड़े हुए, राहुल के भाषण में उठाये गये मुद्दों और आरोपों का जवाब देने के लिये।
- इन वरिष्ठ नेताओं ने एक अभियान सा चलाया राहुल के खिलाफ और यह आरोप लगाया राहुल पर कि, वे संपूर्ण हिन्दू समाज को हिन्दू आंतकवादी, देशद्रोही तथा हिंसा में विश्वास रखने वाला मानते हैं।
- राहुल ने संसद में यह दस्तक तो दे दी कि, ''एंग्री यंग मैन'' संसद में आ पहुंचा है, पर, राहुल के लिये आगे की राह बहुत लम्बी है।

उन्होंने भाजपा और आर.एस.एस. पर, उनके हिन्दुत्व व हिन्दुवाद को लेकर भी हमला बोला। राहुल गाँधी ने कहा, भाजपा तथा प्रधानमंत्री का हिन्दुत्व, हिंसा और नफरत से भरा है तथा वो इसका उपयोग अल्पसंख्यकों को लक्ष्य बनाने के लिए करते हैं।

उन्होंने कहा, मोदी ने लोगों के मन में भय पैदा कर दिया है, जिसे अब खत्म करना होगा। हमला जारी रखते हुए राहुल गाँधी ने महंगाई, बेरोजगारी, नीट में भ्रष्टाचार और बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किए जाने तथा कई अन्य मुद्दे उठाए।

रोचक है कि, भाजपा ने राहुल गाँधी के विरूद्ध भारी अभियान छेड़ दिया है, जिसमें आरोप लगाया है कि राहुल गाँधी के अनुसार सभी हिन्दू आतंकवादी, राष्ट्रविरोधी हैं तथा हिंसा में विश्वास करते हैं।

कांग्रेस का कहना है कि, भाजपा झूठ फैलाने के लिए अपने संसाधनों का उपयोग करने के लिए जानी जाती है और बार-बार ऐसा होता रहा है।

सार यह है कि, एक घंटा पैंतालीस मिनट के राहुल गाँधी के भाषण के बाद, वो एक ऐसे नेता के रूप में उभरे हैं जो परिपक्व हो चुका है, भाजपा का सामना करने के लिए तैयार व तत्पर है। बोलते समय आत्मविश्वास से परिपूर्ण राहुल गाँधी ने स्पष्ट कर दिया है कि, विपक्ष के नेता के रूप में वो सभी विपक्षी नेताओं को साथ लेकर चलेंगे और सबके साथ न्याय करेंगे।

यह राजनीति के एक नए ब्रैण्ड की शुरूआत है, जिसे राहुल गाँधी को बरकरार रखना होगा, अब जबकि, उन्होंने इसकी शुरूआत कर दी है। आगे का रास्ता बहुत लंबा है, लेकिन देश के राजनीतिक मंच पर एंग्री यंग मैन के युग की शुरूआत हो गई है।

विश्व बैंक के प्रतिनिधियों ने मु.मंत्री से मुलाकात की

जयपुर, 1 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सोमवार को उनके आवास पर वर्ल्ड बैंक के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों के साथ राजस्थान में सड़क, जल, बिजली, नगरीय विकास और परिवहन क्षेत्र के विषयों पर चर्चा की। इस दौरान प्रदेश के विकास में वर्ल्ड बैंक की भूमिका को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। भजनलाल शर्मा ने प्रतिनिधि मंडल के साथ राजस्थान में चल रही परियोजनाओं एवं विभिन्न सेक्टर में किए जा रहे विकास कार्यों सहित भविष्य के विज़न की जानकारी साझा की। इस 6 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल में भावना भाटिया, अर्नब बंद्योपाध्याय, रीनू अनेजा, तुषार अरोड़ा, राजगोपाल और हर्ष शामिल थे।

- मुख्यमंत्री के आवास पर हुई चर्चा में मु.मंत्री भजनलाल ने उन्हें राजस्थान में चल रही विकास परियोजनाओं की जानकारी दी।

राहुल गांधी व भाजपा के बीच नोंक-झोंक ऊंचे स्तर की थी, पर अनिर्णित रही

राहुल ने पुरजोर ढंग से अपने भाषण में कहा कि, जो अपने आपको हिन्दू कहते हैं, चौबीस घंटे ''हिंसा व घृणा'' फैलाने में जुटे रहे हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जुलाई। राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता की भूमिका में अपने पहले ही भाषण में आज आर.एस. एस.-भाजपा के हिन्दुत्व ब्रैण्ड से सीधी टक्कर लेने का विकल्प चुना। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी की लोकसभा में प्रत्यक्ष आलोचना करते हुए कहा कि जो लोग स्वयं को हिंदू कहते हैं, वे चौबीसों घंटे हिंसा और नफरत फैलाने में लगे हुए हैं। इस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने भारी शोर-शराबा किया और प्रधानमंत्री ने भी इस पर जोर दिया कि संपूर्ण हिंदू समाज को हिंसक कहना एक गंभीर विषय है।

गांधी के पलटवार करते हुए कहा कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बारे में बोल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आर.एस.एस.) या मोदी ही संपूर्ण हिंदू समाज नहीं है।

कांग्रेस नेता ने भगवान शिव का एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- प्र.मंत्री मोदी ने जवाब में तुरन्त कहा कि, पूर्ण हिन्दू समाज को ''हिंसात्मक'' कहना गंभीर बात है।
- राहुल ने प्रत्युत्तर में कहा, मैं संपूर्ण हिन्दू समाज की बात नहीं कर रहा, मैं भाजपा की बात कर रहा हूँ। राहुल ने भगवान शिव का चित्र लहराते हुए कहा, इनका मैसेज है, अहिंसा और कभी नहीं घबराने का।
- मुझे गर्व है कि, मैं शिव भक्त हूँ तथा घबराया नहीं, जब मुझ पर बीस से अधिक मुकदमे दायर किये गये, मेरा घर ले लिया गया और ई.डी. ने 55 घंटे सख्त पूछताछ की।
- राहुल ने यह भी कहा कि, वे खुश हैं कि, वे विपक्ष में हैं। उन्होंने कहा, हमारे लिये ''पावर'' से बड़ी एक और चीज है और वह है ''सत्य''।
- फिर राहुल गांधी ने स्पीकर ओम बिड़ला पर आक्रमण किया, यह कह कर कि, वे मोदी समक्ष झुके क्यों? ओम बिड़ला ने जवाब दिया कि, संस्कृति यह सिखाती है कि, बड़ों के सम्मुख झुकना चाहिये।

कर्नाटक सरकार में नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा

कांग्रेस हाईकमान की सिद्धारमैया और शिव कुमार को दो टूक सलाह, सरकार चलाने पर फोकस कीजिए

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जुलाई। कांग्रेस हाईकमान ने कर्नाटक कांग्रेस में चल रही आंतरिक कलह पर सख्त रुख अपनाया है और सरकार में नेतृत्व परिवर्तन की सभी चर्चाओं को खारिज कर दिया। मुख्यमंत्री एस. सिद्दारमैया एवं उप मुख्यमंत्री डी.के. शिव कुमार कुछ दिन पूर्व दिल्ली गए थे। कहा जाता है कि उन्हें वहां सख्त निर्देश दिया गया कि वे अपने मतभेद सड़क पर ले जाने की बजाय आपस में सुलह कर लें।

एक ऐसे समय में जब कांग्रेस लोकसभा चुनावों में अपने अच्छे प्रदर्शन के बल पर भारत के विभिन्न प्रदेशों में अपने को पुन:स्थापित कर रही है, समझा जाता है कि पार्टी ने कर्नाटक के पार्टी नेताओं से कहा है कि वे किसी भी रूप में नेतृत्व के मुद्दे पर अधिक दबाव नहीं बनाएं और दोनों नेताओं को आपस में सुलह करने की सलाह देकर वापस प्रदेश भेज दिया।

वापस आने के बाद, जब मीडिया के लोगों ने जोर देकर मुख्यमंत्री सिद्दारमैया से पूछा तो उन्होंने कहा कि प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन का मुद्दा केन्द्रीय नेतृत्व, हाईकमान के दायरे में आता है और इस प्रकार के मामलों पर सार्वजनिक रुप से चर्चा नहीं की जाती है। साफ कहें तो न तो मुख्यमंत्री और न ही उप मुख्यमंत्री ने अपनी बातों में ऐसी कोई चर्चा का जिक्र किया, परंतु उनके नज़दीकी समर्थक ही इस युद्ध को मीडिया में बयानबाजी के माध्यम से लड़ रहे थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कांग्रेस आलाकमान ने कर्नाटक इकाई की अंतर्कलह पर सख्ती दिखाई और नेतृत्व परिवर्तन की सभी चर्चाओं पर विराम लगा दिया।
- कांग्रेस आलाकमान ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से कहा है कि, वे सारे मतभेद भुलाकर सरकार चलाने पर ध्यान दें, अपनी लड़ाई सड़क पर न ले जाएं।
- ज्ञातव्य है कि, कर्नाटक की कांग्रेस इकाई में चल रही भारी उठापट के चलते मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डी.के. शिवकुमार दिल्ली गए थे। जिसके कारण नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें शुरु हो गई थीं।
- सिद्धारमैया और डी.के. शिवकुमार के आपसी मतभेदों से भाजपा को भी सरकार गिरने और एन.डी.ए. की सरकार बनाने की उम्मीद थी।

मेधा पाटकर को 5 महीने की जेल

नई दिल्ली, 1 जुलाई। मेधा पाटकर को 5 महीने कैद की सजा सुनाई गई है। ऐक्टिविस्ट को दिल्ली की साकेत कोर्ट ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की ओर से दायर आपराधिक मानहानि केस में यह सजा दी है। मेधा पाटकर पर आरोप था कि उन्होंने उपराज्यपाल के खिलाफ प्रेस रिलीज जारी की और इससे जनता के बीच उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। यही नहीं अदालत ने मेधा पाटकर को आदेश दिया है कि वह 10 लाख रुपये की रकम विनय सक्सेना को दें। यह उनकी मानहानि की भरपाई के लिए होगी।

- दिल्ली की साकेत कोर्ट ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की ओर से दायर आपराधिक मानहानि केस में यह सजा सुनाई है।

अदालत के फैसले के बाद मेधा पाटकर की प्रतिक्रिया भी आई है। उन्होंने कहा कि सत्य को कभी पराजित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, सत्य कभी हराया नहीं जा सकता। हमने किसी की मानहानि का प्रयास नहीं किया। हम सिर्फ काम करते हैं। इस फैसले को हम ऊपरी अदालत में चुनौती देंगे। मेधा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

योगी आदित्यनाथ व भाजपा हाईकमान के संबंधों में फिर एक बार भूचाल आया?

हाईकमान योगी आदित्यनाथ से खुश नहीं है, क्योंकि यू.पी. में भाजपा आधे से ज्यादा सीटों पर हारी है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जुलाई। हाल ही की दो घटनाएं इस बात का स्पष्ट संकेत दे रही है कि कोई चीज पूरी तरह छुपाकर रखी गई है और वह गुप्त बात यह है कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच के रिश्ते एक बार फिर खराब हो गये हैं।

भाजपा उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से आधी सीटें भी नहीं जीत पाई है। इससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि बहुत खराब हुई है, क्योंकि इस स्थिति के कारण पार्टी लोकसभा में बहुमत की सीमा रेखा को स्पर्श करने में विफल रही है। समझा जाता है कि उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रचार के अभियान का प्रभार पूरी तरह गृह मंत्री अमित शाह के पास था। प्रत्याशियों के चयन से लेकर संसाधनों तथा मैन-पावर की व्यवस्था उन्हीं की देखरेख में हुई थी। लेकिन साफ जाहिर है कि पार्टी का केन्द्रीय नेतृत्व असफलता की जिम्मेदारी स्वीकार करता नज़र नहीं आ रहा है।

योगी आदित्यनाथ को घेरने की रणनीति के अन्तर्गत, केन्द्रीय मंत्री तथा अपना दल (सोनेलाल) नेता अनुपिया पटेल ने हाल ही में मुख्यमंत्री योगी को पत्र लिखकर इस बात पर चिन्ता जताई है कि ओ.बी.सी. तथा एस.टी./एस.सी. अभ्यर्थियों को ''सरकारी नौकरियों के लिये अनुपयुक्त'' बताते हुए, उन्हें अस्वीकार कर दिया गया है। पत्र में मुख्यमंत्री से कहा गया है कि इस अनुचित व्यवहार तुरन्त रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाये जाये। ऐसा माना जा रहा है कि पटेल ने यह पत्र भाजपा नेतृत्व की सलाह पर लिखा था। मीडिया में इस पत्र का प्रकाशन मुख्यमंत्री के लिए परेशानी का सबब बन गया है।

ऐसा माना जा रहा है कि योगी ने पलटवार करते

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, योगी समर्थक कह रहे हैं कि, यू.पी. में टिकट वितरण से, चुनाव संचालन तक, सारी जिम्मेवारी अमित शाह के ऊपर थी। पर, हाईकमान, सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार करने को तैयार नहीं, क्योंकि इससे प्र.मंत्री मोदी की छवि पर भी आघात होता है।
- बल्कि, हाईकमान की रणनीति तो हार के मुद्दे पर, योगी आदित्यनाथ को कोसने की है।
- इसी रणनीति के तहत, अपना दल नेता व केन्द्र में मंत्री अनुप्रिया पटेल ने मु.मंत्री योगी को पत्र लिखकर शिकायत की है कि, सरकारी नौकरियों में ओ.बी.सी., एस.सी., एस.टी. उम्मीदवारों का चयन नहीं हो रहा है, यह कहकर कि, उम्मीदवार सरकारी नौकरी के ''लायक'' नहीं पाया गया। यह पत्र सार्वजनिक रूप से उजागर करके, मु.मंत्री योगी की स्थिति अटपटी करने का प्रयास किया गया है।
- मु.मंत्री ने भी तुरंत जवाब दिया तथा गृह मंत्री अमित शाह के लाड़ले अफसर, दुर्गा शंकर मिश्रा को ''एक्सटेंशन'' नहीं दिया और मुख्य सचिव पद से हटा दिया तथा अपने वफादार व नज़दीकी अफसर मनोज कुमार सिंह को मुख्य सचिव बना दिया गया है।

सी.बी.आई. के खिलाफ केजरीवाल हाई कोर्ट पहुँचे

नई दिल्ली, 1 जुलाई (वार्ता)। आबकारी नीति 2021-22 (जो विवाद के बाद रद्द कर दी गई) कथित घोटाला मामले के आरोपी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दी गई गिरफ्तारी और विशेष अदालत के

- मुख्यमंत्री केजरीवाल ने सी.बी.आई. द्वारा उनकी गिरफ्तारी को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी।

केंद्रीय जांच एजेंसी को उन्हें हिरासत में देने के आदेश के साथ ही गिरफ्तारी को उचित बताते की टिप्पणी के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुकदमे में मार्च से न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल बंद आरोपी केजरीवाल को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गहलोत सरकार ने ई.आर.सी.पी. को लटकाया, हमने वादा पूरा किया- मु.मंत्री भजनलाल शर्मा

ई.आर.सी.पी. में विराटनगर को शामिल किए जाने पर आयोजित धन्यवाद सभा में मु.मंत्री ने कहा, किसानों की समृद्धि से प्रदेश खुशहाल होगा

कोटपुतली-बहरोड़/जयपुर, 1 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसानों की समृद्धि के बिना देश और प्रदेश समृद्ध नहीं हो सकते। किसानों की आय बढ़ाने के लिए परंपरागत खेती में बदलाव लाना होगा। बदलते हुए जमाने में किसानों को आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए खेती करनी होगी। शर्मा सोमवार को कोटपुतली-बहरोड़ जिले के ग्राम भांकरी में संशोधित पार्वती-काली सिंध-चंबल लिंक परियोजना (एकीकृत ईआरसीपी) में विराटनगर क्षेत्र को शामिल करने पर आयोजित आभार एवं अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों और कृषि वैज्ञानिकों को उन देशों में भेजेगी, जहां पर खेती की उन्नत तकनीक का इस्तेमाल कर खेती की जाती है। वहां से खेती के नए तौर तरीके सीख कर हमारे किसान भाई अपनी उपज बढ़ा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सरकार बनते ही मात्र 6 महीने के अल्प समय में संकल्प पत्र के 45 प्रतिशत वादे पूरे कर दिए हैं। इस दौरान किसानों और पशुपालकों को खुशहाल बनाने के लिए राज्य सरकार ने कई फैसले किए हैं। गेहूं की एमएसपी पर 125 रुपये प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस देने, मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के साथ 2 हजार रुपये अतिरिक्त सालाना देने तथा पशुपालकों को किसान गोपाल क्रेडिट कार्ड जारी करने जैसे फैसले किए हैं। इसके अतिरिक्त प्रदेश में 80 हजार से अधिक किसानों को 350 करोड़ रुपये का अल्पकालीन फसली ऋण दिया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कोटपूतली बहरोड़ जिले के भांकरी गांव में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विराटनगर को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने का आश्वासन दिया।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि, कृषि की उन्नत तकनीक सीखने के लिए राज्य सरकार कृषि वैज्ञानिकों व किसानों को विदेश भी भेजेगी।
- मुख्यमंत्री ने कहा, मैं किसान का बेटा हूँ, किसानों की तकलीफ जानता हूँ। पानी की कमी सबसे बड़ी समस्या है और हम इसी संकट को दूर करने में लगे हैं।
- उन्होंने कहा, ई.आर.सी.पी. परियोजना से राजस्थान के 21 जिलों को पानी मिलेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कोटपुतली-बहरोड़ के भांकरी गांव में किसान सभा को संबोधित किया। किसानों की ओर से पार्वती-काली सिंध और चंबल लिंक परियोजना यानी एकीकृत ई.आर.सी.पी. में विराटनगर को भी शामिल करने के लिए अभिनंदन एवं आभार समारोह रखा गया था। किसानों ने मंच पर मुख्यमंत्री को हल भेंट कर उनका आभार जताया तथा धन्यवाद ज्ञापित किया।